भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान
काशी हिन्दू विश्वविद्यालय
IIT INDIAN INSTITUTE OF TECHNOLOGY
BANARAS HINDU UNIVERSITY

☎ 0542 2366676: e-mail : pro.ppc@itbhu.ac.in

कुलसचिव कार्यालय
(प्रेस एवं प्रचार प्रकोष्ठ)

दैनिक जागरण

Office of the Registrar
(Press & Publicity Cell)

दिनांक : 10.03.2019

धर्मों के बीच बेहतर समन्वय बनाएगा इंटरनेट : बोरेंस्टाइन

आइआइटी में अमेरिकी वैज्ञानिक की पुस्तक का हुआ विमोचन

जासं, वाराणसी: भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, बीएचयू के तीन दिवसीय वार्षिक टेक्नो-मैनेजमेंट फेस्ट 'टेक्नेक्स-19' के दूसरे दिन स्वतंत्रता भवन सभागार में अमेरिकी कंप्यूटर साइंटिस्ट नेथनील बोरेंस्टाइन की पुस्तक 'वर्चुअल वर्च्यू' का विमोचन हुआ। इस दौरान उन्होंने तकनीक व धर्म पर आधारित अपने 40 साल के अनुभव को भी साझा किया। ग्रीक पौराणिक कथा में मौजूद पंडोरा बाक्स की तुलना बैबेज के बॉक्स से करते हुए बोरेंस्टाइन ने तकनीक व अध्यात्म के समन्वय को स्थापित किया। कहा, ईश्वर ने पंडोरा को एक जादुई बक्सा देकर उसे न खोलने को कहा था, लेकिन पंडोरा ने उत्सुकतावश उसे खोल दिया। इससे कई दुष्ट प्रवृत्तियां उसमें से बाहर निकल आईं। इसी तरह चार्ल्स बैबेज के बक्से यानी कंप्यूटर से भी साइबर बुलिंग, ट्रालिंग जैसे दुर्गुण निकले। जिस तरह आखिरकार पंडोरा के बक्से से एक आशा की किरण निकली थी, उसी तरह कंप्यूटर व इंटरनेट विश्व के विभिन्न धर्मों के बीच सेतु का काम करेंगे। माइम प्रोटोकाल, ई-मेल अटैचमेंट को पहली बार दुनिया से परिचित कराने वाले नेथनील बोरेंस्टाइन ने कहा कि भले ही उनके पास उत्तर न हों, लेकिन उनके पास कई महत्वपूर्ण प्रश्न हैं।

धर्म ने हमेशा स्थापित किया है सामंजस्य: बोरेंस्टाइन ने कहा कि धर्म ने हमेशा ही तकनीक में परिवर्तन से सामंजस्य बिठाया है, परंतु वर्तमान में हमें इस प्रक्रिया को तेज करने की जरूरत है। कहा, यदि कोई व्यक्ति किसी भी धर्म के मूल सिद्धांतों का पालन करता है तो वह इंटरनेट पर प्रचलित दुष्प्रवृत्तियों का अनुसरण नहीं करेगा। वहीं साइबर बुलिंग, पोर्नोग्राफी व ब्लैकमेलिंग जैसी हरकत करने वालों को एट-होल की संज्ञा दी।

- धर्म ने हमेशा तकनीक में परिवर्तन से बैठाया सामंजस्य
- इंटरनेट की पहुंच निजता की सुरक्षा के लिए खतरा

टेक्नेक्स की प्रतियोगिता में भाग लेता छात्र

क्रिप्टो करेंसी पर हो सरकारी नियंत्रण: नेथनील बोरेंस्टाइन ने इंटरनेट की बढ़ती पहुंच को निजता की सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा बताया। प्रश्नोत्तरी सत्र में एक सवाल के जवाब में कहाकि बिट कॉइन जैसी क्रिप्टो करेंसी प्राइवेट होने की बजाय अन्य मुद्राओं की तरह सरकारी नियंत्रण में होनी चाहिए।

सामाजिक उत्तरदायित्व का रहे ध्यान: आयोजन के क्रम में थिंक टॉक के तहत शनिवार देर शाम स्वतंत्रता भवन सभागार में सोशल एक्टिविस्ट लक्ष्मी अग्रवाल का विशेष व्याख्यान हुआ। अनुभव साझा करते हुए एसिड अटैक झेलने वाली लक्ष्मी ने प्रतिभागियों को किसी भी परिस्थिति में हार न मानने का जज्बा दिया। कहा कि हालात कैसे भी हों, काम के प्रति समर्पण व उत्तरदायित्व का भाव रहना चाहिए।

सुखोई और ब्रह्मोस की ताकत से हुए परिचित: टेक्नेक्स में ब्रह्मोस एयरोस्पेस, भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण, अनुसंधान डिजाइन और मानक संगठन, डीजल लोकोमोटिव वर्क्स आदि सरकारी कंपनियां पहली बार शिरकत कर रहीं। राजपूताना ग्राउंड में लगी प्रदर्शनी में ब्रह्मोस मिसाइल और सुखोई एसयू-30 एमकेआइ फाइटर प्लेन सहित थल एवं नौसेना आधारित लांच पैड के प्रोटोटाइप (प्रतिकृति) प्रदर्शित किए गए हैं। ब्रह्मोस एयरोस्पेस के रोहन मिश्रा ने ब्रह्मोस मिसाइल लांच के तरीके बताए।